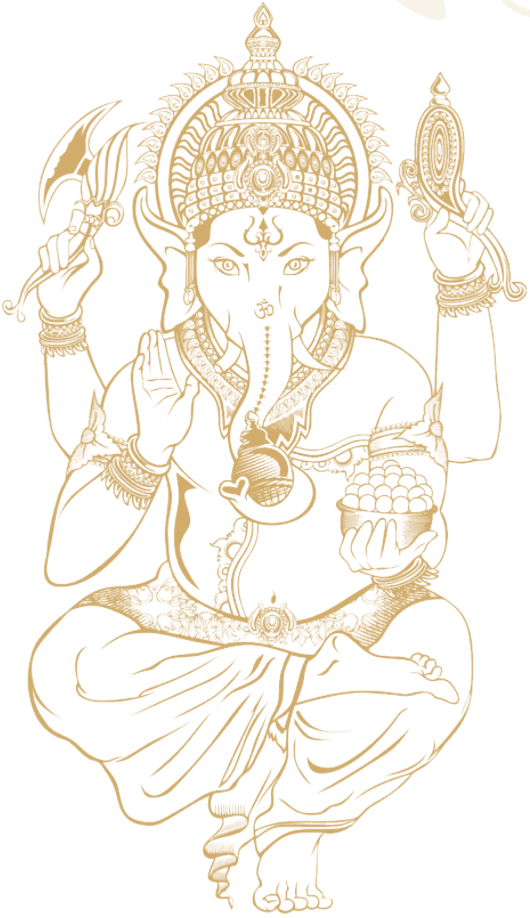

30 Sep 1976

04:03 AM

Karnal

Model: web-freekundliweb   Order No: 121368704

लिंग	: पुल्लिंग
जन्म तिथि	**: 29-30/09/1976**
दिन	: बुध-गुरुवार
जन्म समय	**: 04:03:00 घंटे**
इष्ट	: 54:31:54 घटी
स्थान	**: Karnal**
राज्य	: Haryana
देश	: India

अक्षांश	: 29:41:00 उत्तर
रेखांश	: 76:59:00 पूर्व
मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	: -00:22:04 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	: 03:40:56 घंटे
वेलान्तर	: 00:09:39 घंटे
साम्पातिक काल	: 04:16:09 घंटे
सूर्योदय	: 06:14:14 घंटे
सूर्यास्त	: 18:10:06 घंटे
दिनमान	: 11:55:52 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	: दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	: दक्षिण
ऋतु	: शरद
सूर्य के अंश	: 13:21:49 कन्या
लग्न के अंश	: 13:52:00 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	: सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**: धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**: मूल - 2**
नक्षत्र स्वामी	: केतु
योग	: सौभाग्य
करण	: वणिज
गण	: राक्षस
योनि	: श्वान
नाड़ी	: आद्य
वर्ण	: क्षत्रिय
वश्य	: मानव
वर्ग	: मृग
युँजा	: अन्त्य
हंसक	: अग्नि
जन्म नामाक्षर	: यो-योगेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	: रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	13:52:00	312:00:00	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	---
सूर्य			कन्या	13:21:49	00:58:58	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	राहु	सम राशि
चंद्र			धनु	06:39:23	13:47:38	मूल	2	19	गुरु	केतु	राहु	सम राशि
मंगल		अ	तुला	00:28:13	00:40:09	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	सम राशि
बुध	व		सिंह	29:44:33	00:12:43	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	राहु	मित्र राशि
गुरु	व		वृष	07:29:55	00:02:03	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	केतु	शत्रु राशि
शुक्र			तुला	11:04:24	01:13:29	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	मूलत्रिकोण
शनि			कर्क	20:20:39	00:05:39	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	शुक्र	शत्रु राशि
राहु			तुला	10:18:16	00:00:58	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	गुरु	मित्र राशि
केतु			मेष	10:18:16	00:00:58	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	शनि	मित्र राशि
हर्ष			तुला	12:04:19	00:03:25	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	---
नेप			वृश्चिक	18:02:48	00:01:12	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	---
प्लूटो			कन्या	17:52:26	00:02:20	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	---
दशम भाव			वृष	12:23:48	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:32:06

लग्न-चलित

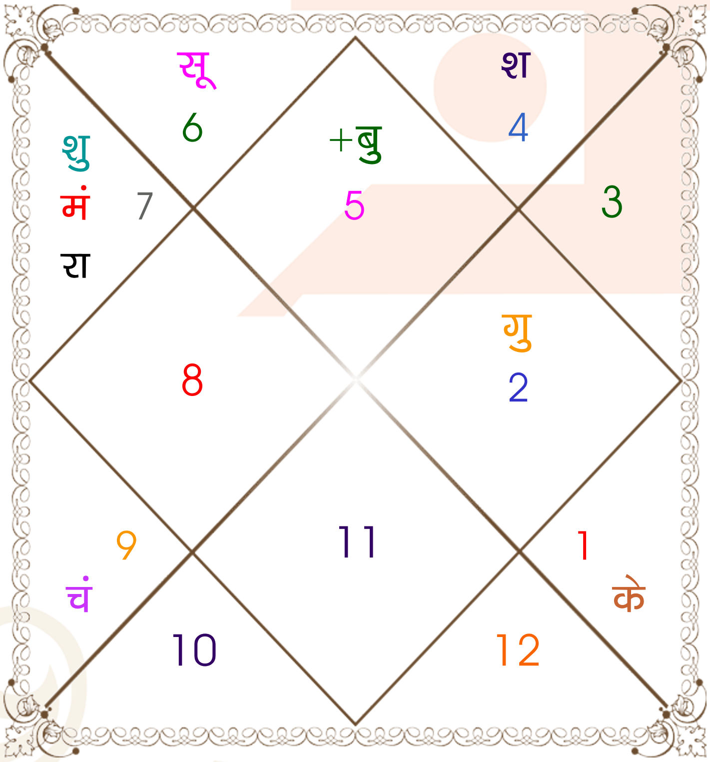

चन्द्र कुंडली

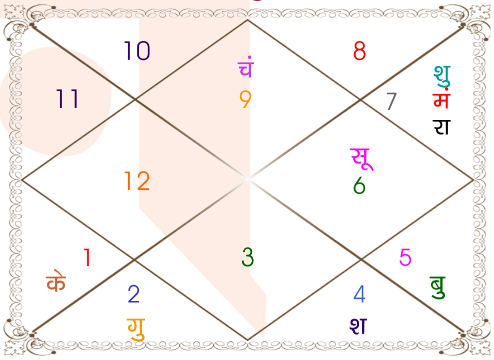

नवमांश कुंडली

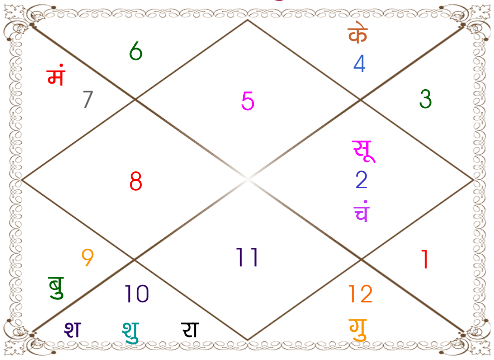

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 3 वर्ष 6 मास 1 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
30/09/1976		02/04/1980		02/04/2000		03/04/2006		02/04/2016	
02/04/1980		02/04/2000		03/04/2006		02/04/2016		03/04/2023	
	00/00/0000	शुक्र	03/08/1983	सूर्य	21/07/2000	चंद्र	01/02/2007	मंगल	29/08/2016
	00/00/0000	सूर्य	02/08/1984	चंद्र	19/01/2001	मंगल	02/09/2007	राहु	17/09/2017
	00/00/0000	चंद्र	03/04/1986	मंगल	27/05/2001	राहु	03/03/2009	गुरु	24/08/2018
	00/00/0000	मंगल	03/06/1987	राहु	21/04/2002	गुरु	03/07/2010	शनि	02/10/2019
	30/09/1976	राहु	02/06/1990	गुरु	07/02/2003	शनि	01/02/2012	बुध	29/09/2020
राहु	21/03/1977	गुरु	31/01/1993	शनि	20/01/2004	बुध	03/07/2013	केतु	25/02/2021
गुरु	25/02/1978	शनि	02/04/1996	बुध	25/11/2004	केतु	01/02/2014	शुक्र	27/04/2022
शनि	06/04/1979	बुध	01/02/1999	केतु	02/04/2005	शुक्र	02/10/2015	सूर्य	02/09/2022
बुध	02/04/1980	केतु	02/04/2000	शुक्र	03/04/2006	सूर्य	02/04/2016	चंद्र	03/04/2023

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
03/04/2023		02/04/2041		02/04/2057		02/04/2076		02/04/2093	
02/04/2041		02/04/2057		02/04/2076		02/04/2093		00/00/0000	
राहु	14/12/2025	गुरु	21/05/2043	शनि	05/04/2060	बुध	30/08/2078	केतु	29/08/2093
गुरु	09/05/2028	शनि	02/12/2045	बुध	14/12/2062	केतु	27/08/2079	शुक्र	30/10/2094
शनि	16/03/2031	बुध	09/03/2048	केतु	23/01/2064	शुक्र	27/06/2082	सूर्य	06/03/2095
बुध	02/10/2033	केतु	13/02/2049	शुक्र	25/03/2067	सूर्य	03/05/2083	चंद्र	05/10/2095
केतु	20/10/2034	शुक्र	15/10/2051	सूर्य	06/03/2068	चंद्र	02/10/2084	मंगल	03/03/2096
शुक्र	20/10/2037	सूर्य	02/08/2052	चंद्र	05/10/2069	मंगल	29/09/2085	राहु	30/09/2096
सूर्य	14/09/2038	चंद्र	02/12/2053	मंगल	14/11/2070	राहु	17/04/2088		00/00/0000
चंद्र	15/03/2040	मंगल	08/11/2054	राहु	20/09/2073	गुरु	24/07/2090		00/00/0000
मंगल	02/04/2041	राहु	02/04/2057	गुरु	02/04/2076	शनि	02/04/2093		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 3 वर्ष 6 मा 9 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के प्रथम चरण में सिंह लग्न में हुआ था। सिंह लग्नोदय काल ही सिंह राशि का नवमांश एवं धनु राशि के द्रेष्काण भी मेदिनीय क्षितिज पर उदित था। आपका जन्म प्रभाव यह प्रमाणित कर रहा है कि आपका जीवन सर्वोत्तम प्रकार से व्यतीत होगा। ऐसा तो आपके जीवन का 28 वें वर्ष से आपका समय अच्छे होने लग जाएंगे। आयु के 28 वें वर्ष से 32 वें वर्ष की आयु तक का समय बहुत ही उत्तम एवं अनुकूल होगा।

आपके जीवन का बृहत्तर भाग मखमली अर्थात् ''पांचों उंगुली घी में'' जैसा लाभजनक रहेगा। इस समय आपके जीवन के सभी आवश्यक पक्ष संतोषजनक रहेगा। आपके लिए सौभाग्य प्रदान करने वाला ऐसा समय हस्तगत होगा कि आप मिट्टी छूओ तो सोना बन जाएगा और आप जिस कार्य को हस्तगत कर लोगे उसी में सफल हो जाओगे।

आप इस बात को अच्छी प्रकार जानते है कि लोगों के साथ धन संपत्ति का लेन-देन अर्थात् आदान प्रदान कैसे करेंगे। आपमें यह सामार्थ्य निहित है कि लोगों को अपने पक्ष में लेकर, दूसरों पर किस प्रकार प्रशासन करेंगे। आप किस प्रकार लोगों से सहयोग प्राप्त कर प्रचूर मात्रा में लाभान्वित होंगे तथा आपका कार्य व्यवधान रहित होकर प्रगति करेगा। जब आप किसी को वस्तु उधार दे देते हैं और कोइ समस्या उत्पन्न हो जाती है। आप धैर्यपूर्वक संपर्क स्थापित कर समस्या का समाधान कर उस धन या वस्तु को प्राप्त कर लेते हैं।

आप में एक अन्य प्रकार की भव्य क्षमता विद्यमान है। वह यह है कि आप यह जानते हैं कि आप अपने से उच्च अधिकारी को किस प्रकार प्रभावित करेंगे तथा सर्वोच्च अधिकारी से संपर्क अर्थात् सानिध्यता प्राप्त कर लेते हैं। परिणाम स्वरुप आप लाभप्रद, अधिकारपूर्ण पद प्रतिष्ठा प्राप्त कर लेंगे। यथा कंपनी का प्रबंधक, अथवा किसी भी निगम और परिषद का निर्देशक पद आदि। आप निश्चित समय पर ऐसी युक्ति पूर्ण चाल को अच्छी प्रकार अपने अधिकारी के पास प्रस्तुत कर देंगे। ताकि आप की चाल सफल हो जाती है। आप में एक अच्छे नेता के गुण विद्यमान है।

आप अनेक कलाओं के ज्ञाता एवं सक्षम हैं। आप किसी भी समस्या का समाधान निकाल लेने में तथा किसी भी विरोधात्मक परिस्थिति को पार कर लेने में सक्षम है तथा विरोधियों को परास्त कर सकते हैं। आप अपने किसी भी शत्रुओं के साथ संघर्ष करके विजय श्री प्राप्त करेंगे।

आपके प्रभावशाली उपस्थिति हाव-भाव तथा आकर्षण विपरीत योनि के प्राणी के साथ रहेगा। जिस प्रकार चुंबक अपने आकर्षण शक्ति का प्रभाव लौह पर दिखाता है। उसी प्रकार आपके आकर्षण से स्त्रियाँ वशीभूत हो जाया करेंगी। आपकी इस प्रकार की प्रवृति से आपका समय आनंददायक प्रतीत होता है। परंतु इस प्रकार की प्रवृत्ति तथा कार्य कलाप से आपका पारिवारिक जीवन बाधित हो सकता है। आपके पास प्रिय पत्नी बच्चे एवं आनंददायक भवन का सुख उपलब्ध हो सकता है। अस्तु निरंतर इस पथ पर नहीं चलें। आपके साथ ऐसी समस्या जुडी है कि आप पूर्णरूपेण विश्राम नहीं कर पातें । उत्तम स्वास्थ्य के लिए आपको सतर्क रहना

चाहिए। आप सदैव अनेक प्रकार के कार्यक्रमों में सम्मिलित होने के लिए एक साथ प्रस्थान करते हैं। आपके द्वारा घोर परिश्रम किए जाने से स्नायुविक शक्तियां बुरी तरह पूर्ण रूपेण प्रभावित हो रही हैं। इस प्रकार कुछ समय वर्षों के पश्चात् आपको हृदय से संबंधित समस्याएं, गांठ-गांठ में तथा रीढ़ की हड्डियों में दर्द, रक्तचाप रोगादि से कष्ट समस्याएं उत्पन्न हो सकती है। अस्तु विश्राम भी ग्रहण किया करें।

आपको सदैव अपनी एवं अपने परिवार की प्रतिष्ठा के प्रति सतर्क रहते हैं। चाहे कुछ भी हो जाए आप इस बात के लिए किसी भी परिस्थिति में कोई भी समझौता करने को तैयार नहीं हो सकते हैं।

आपके लिए उपयुक्त कार्यव्यवसायों में राजकीय केंद्रीय सरकार की सेवा के अतिरिक्त ट्रांसपोर्ट व्यवसाय, होटल उद्योग अथवा फोटोग्राफी व्यवसाय आदि अनुकूल है।

आपके लिए नारंगी रंग, लाल एवं हरा रंग अनुकूल है। परंतु नीला, सफेद एवं काला रंग त्यागनीय है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक भाग्यशाली अंक है, परंतु आपके लिए अंक 2, 7 एवं 8 अंक सर्वथा प्रतिकूल है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, ंमंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।